सीएमपीडीआई में गणतंत्र दिवस आचरण

रांची 27 जनवरी, 2015: नयी सरकार के टॉप एजेंडे में निर्बाध बिजली सप्लाई एवं मेक इन इंडिया सम्मलित किया गया है। चैबीस घंटे एवं सातों दिन निर्बाध बिजली देश को मिले इसमें कोल इंडिया की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। कोयला मंत्रालय द्वारा किए जा रहे ई- अंक्शन के कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने में सीएमपीडीआई अथक परिश्रम कर रहा है। आज सीएमपीडीआई की कोयला मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय तथा पर्यावरण मंत्रालय में सीएमपीडीआई की कॉरपोरेट इमेज बहुत अच्छी बनी है। इससे सीएमपीडीआई एवं कोल इंडिया गौरवान्वित महसूस कर रहा है। 26 जनवरी 2015 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात् अपने अभिभाषण में उक्त बातें सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने कही।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सीएमपीडीआई के सभी विभाग को तकनीकी रूप से उन्नत करने का कार्य किया जा रहा है। इक्क्रीस विभाग में नया सर्वर लगाने का कार्य किया जाएगा ताकि भविष्य की जरूरतों को पूरा किया जा सके। नया सर्वर लगने से देश के प्राइवेट ब्लॉक्स के बारे में पूरी जानकारी उपलब्ध होगी। 2 डी सिस्समिक सर्वे तथा 3 डी सिस्समिक सर्वे काम करने के बारे में मंत्रालय स्तर पर बातचीत चल रही है। सीएमपीडीआई प्रबंधन ने यह निर्णय लिया है कि सभी पुराने ड्रिल मशीनों के स्थान पर नरये ड्रिल लगाए जाएंगे। नये ड्रिल मशीन की खरीद भी हुई है कुछ और ड्रिल मशीन खरीद की प्रक्रिया चल रही है। चालू वित वर्ष में विभागीय (एमओयू) ड्रिलिंग का लक्ष्य 3.50 लाख मीटर है जिसकी तुलना में दिसम्बर, 14 तक 2.41 लाख मीटर ड्रिलिंग हो चुकी है एवं आशा है कि इस लक्ष्य को पूर्ण करने में सफल होंगे। भविष्य की गवेषण लक्ष्य की प्राप्ति हेतु 320 कर्मचारियों की नियुक्ति हो चुकी है। जियालजी एवं सिस्टम विभाग की जरूरत को ध्यान में रखते कुछ अधिकारियों की नियुक्ति की जानी है। महानदी कोलफील्ड्स के बसुंधरा एवं गरजनबहल क्षेत्र में मुआवजा प्राप्त करने के उद्देश्य से बनाए गए इलीगल हाउस के डिमार्केशन के लिए सीएमपीडीआई के जियोमेटिक्स विभाग द्वारा बहुत अच्छे तरीके से कार्य सम्पन्न किया गया है। इससे प्रभावित होकर कोल इंडिया की अन्य अनुषंगी इकाइयों द्वारा भी इस तरह के कार्य सीएमपीडीआई

को सौंपा गया है। इसके अलावा सीएमपीडीआई द्वारा कंट्रोल ब्लास्टिंग का कार्य भी पूरे कोयला उद्योग में किया जा रहा है।

सीएमपीडीआई द्वारा प्रोजेक्ट कॉस्टिंग के लिए एक स्टैंर्डडाइज्ड परफर्मा तैयार किया गया जिसके आधार पर कार्य करने से बहुत सारे अन-वाइबुल प्राजेक्ट वाइबुल प्राजेक्ट हो जाएंगे। इसकी स्वीकृति कोल इंडिया के बोर्ड द्वारा भी दे दी गई है। वर्तमान में ईएंडएम एवं पर्यावरण के क्षेत्र में स्डैंर्ड परफर्मा तैयार कर लिया गया तथा सीएचपी के प्रोजेक्ट स्डैंर्डडाइजेशन का कार्य चल रहा है।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने श्री बी0के0 शुक्ला को 31 वर्ष के समर्पित सेवा के लिए, श्री राम चन्द्र महतो को डिसिप्लीन एवं कंडक्ट परेड के लिए एवं श्री संजीव कुमार को समर्पित सेवा एवं सजग प्रहरी के लिए सम्मानित किया।

***